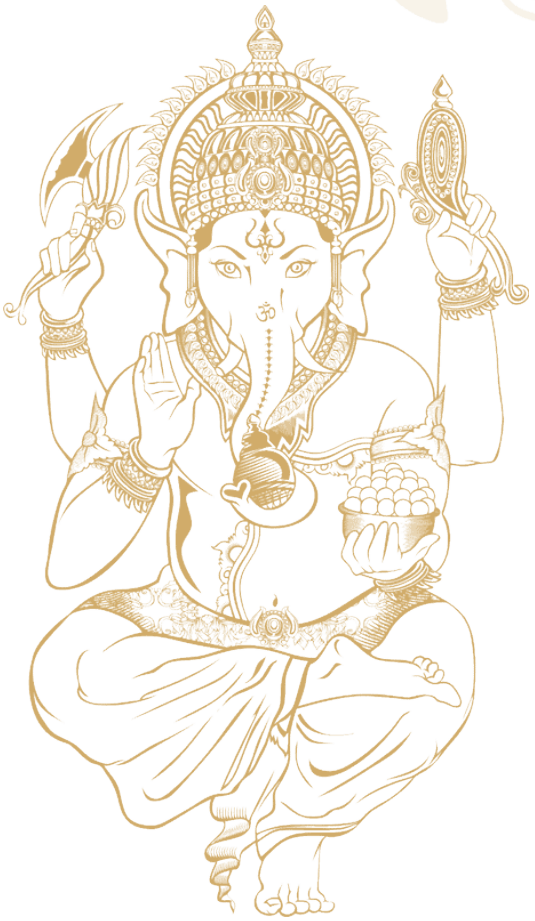

Mr.H

Ms.D

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119709002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/09/1996	जन्म तिथि	10/10/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 16:35:00	जन्म समय	06:48:00 घंटे
घटी 26:25:08	जन्म समय(घटी)	01:30:27 घटी
India	देश	India
Jhansi	स्थान	Varanasi
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:20:00 उत्तर
78:34:00 पूर्व	रेखांश	83:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:15:44	स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:00:56	सूर्योदय	05:54:01
18:21:48	सूर्यास्त	17:35:54
23:48:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:14

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 3मा 8दि	23:38:27	मक	लग्न	तुला	03:58:07	चन्द्र 1वर्ष 2मा 16दि
राहु	27:07:10	सिंह	सूर्य	कन्या	22:42:01	गुरु
22/12/2016	02:43:31	कन्या	चंद्र	वृष	21:43:03	26/12/2024
23/12/2034	08:27:22	कर्क	मंगल	सिंह	07:42:43	26/12/2040
राहु 04/09/2019	05:14:51	कन्या व	बुध	तुला	02:53:12	गुरु 13/02/2027
गुरु 28/01/2022	14:09:43	धनु	गुरु व	कुंभ	26:15:29	शनि 26/08/2029
शनि 04/12/2024	12:55:22	कर्क	शुक्र	कन्या	17:30:14	बुध 02/12/2031
बुध 23/06/2027	11:10:43	मीन व	शनि व	मेष	07:24:04	केतु 07/11/2032
केतु 11/07/2028	14:10:03	कन्या व	राहु व	सिंह	06:35:01	शुक्र 09/07/2035
शुक्र 12/07/2031	14:10:03	मीन व	केतु व	कुंभ	06:35:01	सूर्य 26/04/2036
सूर्य 04/06/2032	07:06:58	मक व	हर्ष व	मक	15:00:19	चन्द्र 26/08/2037
चन्द्र 04/12/2033	01:18:33	मक व	नेप व	मक	05:32:52	मंगल 02/08/2038
मंगल 23/12/2034	06:50:32	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	12:15:59	राहु 26/12/2040

लग्न-चलित

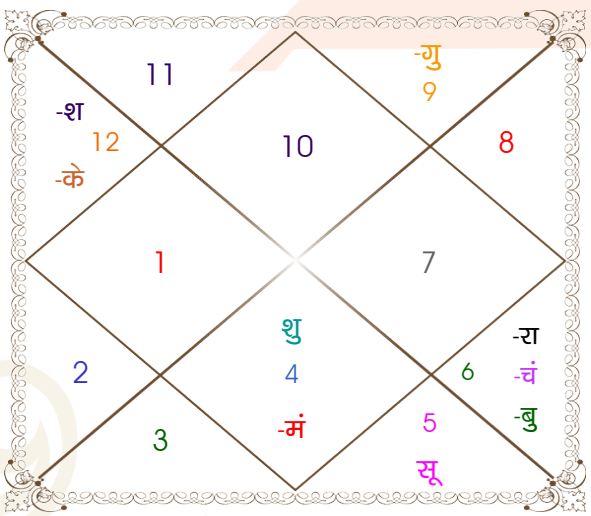

लग्न-चलित

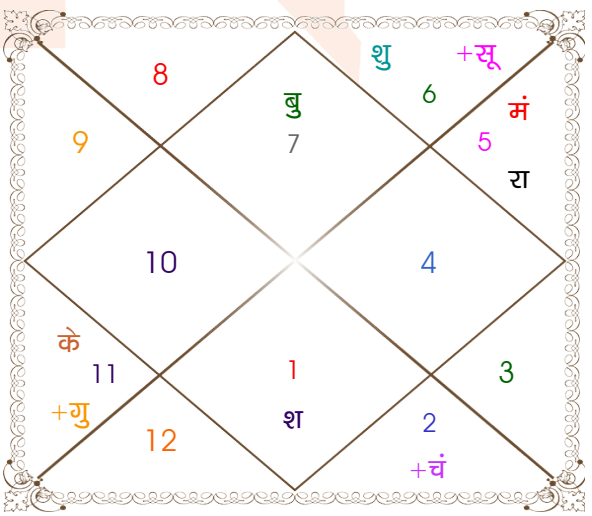

GWD
Lucknow
7007355085
vkupadhyay@yahoo.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	सर्प	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.H का वर्ग श्वान है तथा Ms.D का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.H और Ms.D का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.H मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.H कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.H कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.D मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों

में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms.D कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.D कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.H तथा Ms.D में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।